आइआइएम रांची में यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम का आगाज

झारखंड रत्नगर्भा, फिर भी गरीबी शिक्षा का अभाव : चीफ जस्टिस

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आजादी के बाद भी कई गांव नजरअंदाज कर दिये गये हैं, जबकि देश का दिल गांव में बसता है. झारखंड रत्नगर्भा है, फिर भी यहां गरीबी है और अशिक्षा है. सामाजिक प्रतिरक्षा की कमी है. ये बातें चीफ जस्टिस झारखंड हाइकोर्ट संजय कुमार मिश्रा ने कहीं. वह शुक्रवार को आइआइएम रांची में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाइसीपी) का उद्घाटन करने पहुंचे थे.

उन्होंने आगे कहा कि युवा विद्यार्थी ही सामाजिक बदलाव की पहल कर सकते हैं. यह तभी संभव होगा, जब समस्या की जड़ तक पहुंच कर उसका समाधान सोचेंगे. ग्रामीण विकास और आदिवासी समाज का उत्थान एक गंभीर विषय है. वाइसीपी से जुड़ रहे विद्यार्थी नवाचार और तकनीक का इस्तेमाल कर ग्रामीण चुनौतियों को दूर करने की पहल करें. इसमें सफल होने के लिए सकारात्मक सोच के साथ बड़े सपने देखने की जरूरत है. साथ ही सपने पूरे कैसे हों, इस पर निरंतर काम करना होगा.

ट्राइब्स इन इंडिया कोर्स को समझने में मिलेगी मदद : आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि स्ट्रैटेजिक प्लान @ 2030 के तहत संस्था राज्य के विकास की पहल करेगी. प्रबंधन संस्था होने के नाते आइआइएम रांची सामाजिक जुड़ाव के लिए सामाजिक प्रभाव के मुद्दों को व्यवस्थित करेगी. वाइसीपी एक खास अनुभव होगा, जो संस्था के ट्राइब्स इन इंडिया कोर्स में प्रभावी होगी. इससे बी-स्कूल के विद्यार्थी सामाजिक चुनौतियों को चिह्नित कर नये उपाय से समाधान तलाश सकेंगे.

कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय मिश्रा और उपस्थित विद्यार्थी.

देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे 100 विद्यार्थी

10वीं से 12वीं अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच संचालित वाइसीपी प्रोग्राम में शामिल होने देश के विभिन्न शहर से 100 प्रतिभागी पहुंचे हैं. इनमें 65 विद्यार्थी दिल्ली, नोएडा, हैदराबाद, सोनपुल, हरियाणा, गुड़गांव, जामनगर, पटना, जलगांव महाराष्ट्र, नवी मुंबई, तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश से और 35 विद्यार्थी रांची, जमशेदपुर समेत राज्य के विभिन्न जिले से चुने गये हैं. कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों को वाइसीपी के फैकल्टी एडवाइजर प्रो अंशुमन हजारिका, प्रो गौरव मराठे, प्रो विर्जानंद वर्मा, प्रो तुहिन सेनगुप्ता और रोहित राजगढ़िया ने समस्या की पहचान और उसके समाधान के मूल उद्देश्यों से परिचय कराया. जिन्हें यूएन से मान्यता प्राप्त सत विकास के लक्ष्य से समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया गया. विद्यार्थियों को डिजाइन थिंकिंग के तहत टीम बनाकर समस्या के हल पर विचार करने की प्रक्रिया और क्वांटिटेटिव मैथड के जरिये डाटा व शोध को समझ कर निष्कर्ष तैयार करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया.

आज टीम जायेगी रासेबेरा

वाइसीपी प्रोग्राम के तहत शनिवार को विद्यार्थियों की 20 टीम में से प्रतिनिधि अनगड़ा स्थित रासेबेरा जायेंगे. जहां ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्या व चुनौतियों की जानकारी ली जायेगी. विद्यार्थियों के इस अनुभव को लाइव केस स्टडी के रूप में संकलित किया जायेगा. वहीं, तीसरे दिन शनिवार 28 मई को कार्यक्रम के अंतिम दिन विद्यार्थी गांव की चुनौतियों का समाधान अपने अनुभव और नवाचार से देंगे. इसके लिए प्रत्येक टीम को चार घंटे का समय मिलेगा.

Prabhat Khabar_27.05.2023_Pg. 11